

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)
अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान,
उ० प्र०, लखनऊ।

सेवा में,

- 1— जिला विद्यालय निरीक्षक,
उत्तर प्रदेश।
- 2— जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक अ०क० / 1925-2098 / 2006-07 दिनांक 30 नवम्बर, 2006

विशय :- राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान में व्यवहृत होने वाली योजनाओं के सम्बन्ध में

महोदय / महोदया,

प्रायः देखा जाता है कि अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान की योजनाओं से जनपदीय अधिकारी पूर्णतः भिन्न नहीं है। फलतः आवेदन पत्र अपूर्ण एवं प्रतिष्ठान की योजनाओं से इतर प्रयोजनों हेतु आवेदन पत्र संस्तुत कर दिये जाते हैं।

2— जनपदीय अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं कार्यालयीय प्रयोग हेतु अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान में परिचालित योजनाओं का विवरण प्रेषित किया जा रहा है।

प्रदेशीय कार्यकारी समिति की योजनाओं

1— प्रदेश के कार्यरत अध्यापकों एवं उनके आश्रितों के गम्भीर रोग यथा— कैंसर, दिल की बीमारी, गुर्दे की खराबी तथा ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित होने पर उनके द्वारा किसी अस्पताल में इलाज कराये जाने पर अधिकतम रू० 30,000/- (रूपये तीस हजार मात्र) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। प्राइवेट डॉक्टरों या क्लिनिकों से उपचार कराने पर वित्तीय सहायता मन्जूर नहीं की जाती है। इस सहायता की मात्रा का निर्धारण अस्पताल को नकद भुगतान की गई धनराशि या दवाओं के क्रय आदि पर व्यय की गई धनराशि की मूल रसीदें प्रस्तुत करने पर किया जाता है। कार्यरत अध्यापकों के आश्रितों में पति या पत्नी एवं अव्यस्क बच्चों को शामिल किया जाता है।

2— धन की उपलब्धता होने पर सेवानिवृत्त अध्यापकों के गम्भीर रोगों से ग्रसित होने पर उनके स्वयं के इलाज के लिए भी अधिकतम रू० 30,000/- (रूपये तीस हजार मात्र) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सेवानिवृत्त अध्यापकों के आश्रितों को यह सहायता सीमित संसाधनों के कारण प्रदान नहीं की जाती है।

3— सेवानिवृत्त एवं मृत अध्यापक पर आश्रित अधिकतम उसकी दो पुत्रियों के विवाह हेतु क्रमशः 5,000/- एकमुष्ट एवं रू० 10,000/- एकमुष्ट की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

4— माध्यमिक शिक्षा परिशद् की परीक्षाओं के समय कक्ष— निरीक्षकों, मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं के बण्डल ले जाते समय एवं नकल पकड़ने वाले उड़न दस्ते में संलग्न अध्यापकों पर अराजकतत्वों द्वारा प्राणघातक आक्रमण एवं ट्रक से दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर अध्यापक की असामयिक मृत्यु हो जाने की स्थिति में उनके आश्रित को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एकमुष्ट आर्थिक सहायता रू० 20,000/- (रूपये बीस हजार मात्र) की धनराशि संबंधित जिला

विद्यालय निरीक्षक से वास्तविक स्थिति की आज्या एवं संस्तुति प्राप्त करने के पश्चात् औपचारिकतायें पूर्ण कराते हुए स्वीकृत की जाती है।

सर्वप्रथम आर्थिक सहायता के पात्र कार्यरत अध्यापक एवं उनके आश्रित है। इसके पश्चात् धन की उपलब्धता होने पर सेवानिवृत्त अध्यापकों के प्रकरणों पर विचार किया जाता है।

भवदीय,

(संजय मोहन)
शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)
उ०प्र०, लखनऊ।

पृ०सं० / अ०क० / 1925-2098 / 2006-07 तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवष्यक कार्यवाही हेतु प्रेशित :-

- 1- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, उ०प्र०।
- 2- मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ०प्र०।

(संजय मोहन)
शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)
उ०प्र०, लखनऊ।

विज्ञप्ति

जनपद इटावा/औरैया के अधीन संचालित हाईस्कूल/ इण्टरमीडिएट कालेजो के प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्याओं को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान में व्यवहृत होने वाली योजनाओं के सम्बन्ध में विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

प्रदेशी कार्यकारी समिति की योजनायें :-

1. प्रदेश के कार्यरत अध्यापकों एवं उनके आश्रितों के गंभीर रोग यथा कैंसर दिल की बीमारी, गुर्दे की खराबी तथा ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित होने पर उनके द्वारा किसी अस्पताल में इलाज कराये जाने पर अधिकतम रू0 30,000.00 (रूपये तीस हजार मात्र) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता की मात्रा का निर्धारण अस्पताल को नकद भुगतान की गई धनराशि या दवाओं के क्रय आदि पर व्यय की गई धनराशि की मूल रसीदें प्रस्तुत करने पर किया जाता है। कार्यरत अध्यापकों के आश्रितों में पति या पत्नी एवं अव्यवस्त बच्चों को शामिल किया गया है।
2. धन की उपलब्धता होने पर सेवानिवृत्त अध्यापकों के गंभीर रोगों से ग्रसित होने पर उनके स्वयं के इलाज के लिए भी अधिकतम रू0 30,000.00 (रूपये तीस हजार मात्र) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सेवानिवृत्त अध्यापकों के आश्रितों को यह सहायता सीमित संसाधनों के कारण प्रदान नहीं की जाती है।
3. सेवानिवृत्ति एवं मृत अध्यापक पर आश्रित अधिकतम उसकी दो पुत्रियों के विवाह हेतु क्रमशः : रू0 5,000.00 एक मुष्ट एवं रू0 10,000.00 एक मुष्ट की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।
4. माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के समय कक्ष-निरीक्षकों, मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं के बण्डल ले जाते समय एवं नकल पकड़ने वाले उड़न छसत में सलंगन अध्यापकों पर अराजकतत्वों द्वारा प्राणघातक एवं ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर अध्यापक की असामायिक मृत्यु हो जाने की स्थिति में उनके आश्रित को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एकमुष्ट आर्थिक सहायता रू0 20,000.00 (रूपये बीस हजार मात्र) की धनराशि सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक से वास्तविक स्थिति की आख्या एवं संस्तुति प्राप्त करने के पश्चात् औपचारिकतायें पूर्ण कराते हुए स्वीकृत की गई है।

सर्वप्रथम आर्थिक सहायता के पात्र कार्यरत अध्यापक एवं उनके आश्रित हैं। इसके पश्चात् धन की उपलब्धता होने पर सेवानिवृत्त अध्यापकों के प्रकरणों पर विचार किया जाता है। कृपया तदनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जिला विद्यालय निरीक्षक
इटावा/औरैया

पृ0स0 विविध/

/2006-07

दिनांक 21.12.2006

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. शिक्षा निदेशक (मा0) अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान, उ0प्र0 लखनऊ।
2. संयुक्त शिक्षा निदेशक, कानपुर मण्डल कानपुर।